Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-7| July-2026

Original Article

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में शैक्षिक अभिप्रेरणा

सारिका वर्मा[1], डॉ. (श्रीमती) सुनीता सिंह[2]

[1]शोध अध्येत्री (शिक्षाशास्त्र), रमाबाई राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर, उत्तर प्रदेश सम्बद्ध डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

[2]सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग रमाबाई राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर, उत्तर प्रदेश

Manuscript ID:
JRD -2026-180743
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 7
Pp. 203-207
July- 2026
Submitted: 16 June. 2026
Revised: 26 June. 2026
Accepted: 11 July. 2026
Published: 31 July. 2026

सारांश

इस शोध-पत्र में "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में शैक्षिक अभिप्रेरणा" का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में विवरणात्मक शोध के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है जिसमें आँकड़ों के एकत्रीकरण एवं विश्लेषण हेतु मात्रात्मक शोध उपागम का प्रयोग किया गया है। न्यादर्शन हेतु सर्वप्रथम अम्बेडकर नगर जनपद की पाँच तहसीलों - अकबरपुर, टांडा, जलालपुर, आलापुर और भीटी के माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ. प्र. द्वारा संचालित 10 माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा-12 में अध्ययनरत् कुल 600 विद्यार्थियों का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से जिसमें (300 शहरी एवं 300 ग्रामीण) का चयन कर के. एस. मिश्रा द्वारा 'एकेडेमिक मोटिवेशन इन्वेन्ट्री' प्रशासित कर आँकड़ों का एकत्रीकरण कर सारणीयन बनाकर मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि, टी-अनुपात सांख्यिकी विधियों से विश्लेषण एवं व्याख्या प्रस्तुत किया गया। निष्कर्ष में पाया - लिंग के आधार पर शैक्षिक अभिप्रेरणा में समानता है जबकि क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों, छात्रों एवं छात्राओं की शैक्षिक अभिप्रेरणा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों, छात्रों एवं छात्राओं की अपेक्षा उच्च है।

मुख्य शब्द- *माध्यमिक विद्यालय, शहरी-ग्रामीण, शैक्षिक अभिप्रेरणा*

प्रस्तावना-

शिक्षा को सिर्फ व्यापक अर्थ में ही प्रयोग नहीं किया जाता है। कुछ विद्वान शिक्षा को अत्यन्त सीमित करके व्याख्यायित करते हैं। वे शिक्षा को विद्यालय तक ही स्वीकार करते हैं। बालक को एक निश्चित योजना के अनुसार एक निश्चित समय तक एवं निश्चित विधियों से निश्चित प्रकार का ज्ञान प्रदान किया जाना ही शिक्षा है। ऐसी शिक्षा विशेष प्रभाव एवं विषयों तक सीमित रहती है। विद्वानों ने शिक्षा को विद्यालय परिसर के बाहर निकलने नहीं दिया। समाज एवं परिवार से प्राप्त शिक्षा को इन्कार कर दिया। इस सम्बन्ध में प्रोण् आर.पी. मेहता ने लिखा है- "शिक्षा का प्रयोग बोलचाल की भाषा और कानून में किया जाता है। शिक्षा व्यक्ति के आत्म-विकास एवं वातावरण के सामान्य प्रभावों को अपने में कोई स्थान नहीं देती है। इसके विपरीत, यह केवल उन विशेष प्रभावों को अपने में स्थान देती है जो समाज के अधिक आयु के व्यक्ति जान-बूझकर और नियोजित रूप में अपने से छोटों पर डालते हैं, भले ही यह प्रभाव-परिवार, धर्म या राज्य द्वारा डाला जाय।"

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
सारिका वर्मा शोध छात्रा (शिक्षाशास्त्र), एम.ए. (शिक्षाशास्त्र), यू. जी. सी. नेट, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

How to cite this article:
वर्मा सारिका & सिंह सुनीता (2026). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में शैक्षिक अभिप्रेरणा. Journal of Research and Development, 18(7), 203–207. https://doi.org/10.5281/zenodo.22076797

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.22076797
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-7| July-2026

माध्यमिक शिक्षा सामान्य शिक्षा की परिसमाप्ति हैं। यह शिक्षा मानव विकास की किशोरावस्था से सम्बन्धित है। इसे भावी युवा शक्ति के नेतृत्व के प्रशिक्षण का प्रथम केन्द्र माना गया है, साथ ही साथ माध्यमिक शिक्षा राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी तथा सांस्कृतिक क्षमता को सर्वाधिक प्रभावित करती है। दुनिया का प्रत्येक कालजयी कार्य अभिप्रेरणा से हुए है। प्रेरणा के अभाव में क्रान्तिकारी कार्य असम्भव होता है। हमारे प्रतिदिन के कार्यों में अभिप्रेरणा स्पष्ट दिखाई देता है। अभिप्रेरणा को उत्तेजना की संज्ञा दी जा सकती है। यह उत्तेजना आन्तरिक एवं बाह्य दोनों हो सकती है। अभिप्रेरणा के संदर्भ में ड्रेवर ने लिखा है- "अभिप्रेरणा एक भावात्मक क्रियात्मक कारक है जो चेतन अथवा अवचेतन ढ़ग से निर्धारित परिणाम अथवा लक्ष्य की ओर व्यक्ति के व्यवहार की दिशा को निर्धारित करने के लिए क्रियाशील होता है।" अभिप्रेरणा के सन्दर्भ में एक विचारधारा है कि यह एक प्रक्रिया है। यह सजीव या निर्जीव या आन्तरिक या वाह्य हो परन्तु प्रक्रिया के पथ पर चलती है। अभिप्रेरणा को प्रक्रिया मानते हुए ब्लेयर, जोन्स एवं सिम्पसन ने लिखा है- "अभिप्रेरणा एक प्रक्रिया है जिसमें विद्यार्थी की आन्तरिक शक्ति वातावरण के विभिन्न लक्ष्य वस्तुओं की ओर निर्देशित होती है- हम लोगों की मूल आवश्यकताओं से उपजकर अभिप्रेरणा एक ऐसी शक्ति के रूप में कार्य करता है जो व्यवहार को एक उद्देश्य एवं दिशा प्रदान करता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर शैक्षिक अभिप्रेरणा के विषय में यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक अभिप्रेरणा का संबंध उस शैक्षिक उत्तेजना से है जो बालक में शिक्षा से संबंधित कोई प्रतिक्रिया या व्यवहार करता है। शैक्षिक अभिप्रेरणा बालकों में सीखने की क्रियाओं पर बल देती है या प्रोत्साहन देती है, सीखने की प्रक्रिया का शक्तिशाली साधन अभिप्रेरणा है। अभिप्रेरणा के द्वारा ही व्यक्ति के अंतर्मन, ज्ञान और पढ़ने लिखने के प्रति प्रेम जागृत होता है। शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने में अभिप्रेरणा किसी वरदान से कम नहीं है। इससे प्रेरित होकर शिक्षा के द्वारा बालक अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है। अतः शैक्षिक अभिप्रेरणा का अर्थ है ऐसा फल जो शिक्षा से संबंधित वह समस्त क्रियाएं करने के लिए बालक को तब तक क्रियाशील रखती है, जब तक कि उद्देश्य की पूर्ति ना हो जाए । अतः शैक्षिक अभिप्रेरणा व्यक्ति कि वह आन्तरिक प्रवृत्ति है, जो प्राणी को शिक्षा से सम्बंधित कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। अतः उपरोक्त सन्दर्भों के देखते हुए शोधार्थिनी ने अपने शोध-पत्र के माध्यम से माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का लिंग (बालक/बालिका) एवं क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन कर यह जानने का प्रयास किया है कि क्या लिंग एवं क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा में अन्तर है या नहीं?

समस्या कथन-

"अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का लिंग (बालक/बालिका) एवं क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन का उद्देश्य-

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है-

1. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का लिंग (बालक/बालिका) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना-

उद्देश्यों के आधार पर निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है-

1. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का लिंग (बालक/बालिका) के आधार पर कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-7| July-2026

2. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध विधि-

प्रस्तुत अध्ययन में विवरणात्मक शोध के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है जिसमें आँकड़ों के एकत्रीकरण एवं विश्लेषण हेतु मात्रात्मक शोध उपागम का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या-

प्रस्तुत अध्ययन में अम्बेडकर नगर जनपद की पाँच तहसीलों - अकबरपुर, टांडा, जलालपुर, आलापुर और भीटी के माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ. प्र. द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा-12 के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

न्यादर्श-

न्यादर्शन हेतु सर्वप्रथम अम्बेडकर नगर जनपद की पाँच तहसीलों - अकबरपुर, टांडा, जलालपुर, आलापुर और भीटी के माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ. प्र. द्वारा संचालित 10 माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा-12 में अध्ययनरत् कुल 600 विद्यार्थियों (300 शहरी एवं 300 ग्रामीण) का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से किया गया है।

उपकरण-

विद्यार्थियों के शैक्षिक अभिप्रेरणा का मापने के लिए के.एस. मिश्रा द्वारा 'एकेडेमिक मोटिवेशन इन्वेन्ट्री' का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विधियाँ-

आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि, टी-अनुपात सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या-

उद्देश्य-1 अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का लिंग (बालक/बालिका) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।

H_1 अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिप्रेरणा के स्तर का लिंग (बालक/बालिका) के आधार पर कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका सं. 1

अम्बेडकर नगर जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के बालक-बालिकाओं की शैक्षिक अभिप्रेरणा के मध्य अन्तर का टी-अनुपात

लिंग	N	M	S.D.	(M_1~M_2)	σ_D	t-value
बालक	300	123.12	31.46	2.22	2.60	0.85*
बालिका	300	125.34	32.19			

***-05 Lrj ij vlkFkZd**

O;k[;k&

rkfydk ls Li"V gksrk gS fd vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds ckyd dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=123.12, SD= 31.46½ tcfd ckfydkvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=125.34, SD=32.19½ gSA fyax ds vk/kkj ij 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds e/; Vh&eku 0-85 gS tks 0-05 lkFkZdrk Lrj ij ¼df=598, 1.96½ ls de gS ftlls 'kwU; ifjdYiuk Lohd`r dh tkrh gSA ifj.kker% vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk fyax ¼ckyd@ckfydk½ ds vk/kkj ij dksbZ lkFkZd vUrj ugha gS vFkkZr~ nksuksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa lekurk gSA fyax ds vk/kkj ij vUrj u ik;k tkuk ;g n'kkZrk gS fd orZeku esa ckydksa dh rqyuk esa ckfydk,¡ Hkh f'k{kk ds {ks= esa cgqr rsth ls vkxs c<+ jgh gS lkFk gh ckfydkvksa ds vkRe&fo'okl ,oa vfHkizsj.kk esa o`f) gsrq vfHkHkkod ds lkFk&lkFk f'k{kd] iz'kkld ,oa ljdkj dh lfØ; Hkkxhnkjh muds 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa o`f) dk dkj.k gks ldrk gSA

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-7| July-2026

mn~ns';&2 **vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij rqyukRed v/;;u djukA**

H_{02}

vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij dksbZ lkFkZd vUrj ugha gSA

rkfydk la0 2

vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds 'kgjh ,oa xzkeh.k fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds e/; vUrj dk Vh&vuqikr

{ks=	N	M	S.D.	$(M_1 \sim M_2)$	σ_D	t-value
'kgjh fo|kFkhZ	300	129.06	31.84	10.55	2.56	4.12*
xzkeh.k fo|kFkhZ	300	118.51	30.80			

***-05 Lrj ij lkFkZd**

O;k[;k&

rkfydk ls Li"V gksrk gS fd vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds 'kgjh fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=129.06, SD= 31.84½ tcfd xzkeh.k fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=118.51, SD=30.80½ gSA {ks= ds vk/kkj ij fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds e/; Vh&eku 4-12 gS tks 0-05 lkFkZdrk Lrj ij ¼df=598, 1.96½ ls vf/kd gS ftlls 'kwU; ifjdYiuk vLohd`r dh tkrh gSA ifj.kker% vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij lkFkZd vUrj gS vFkkZr~ nksuksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa vlekurk gSA 'kgjh ,oa xzkeh.k {ks=ksa ds fo|ky;ksa dh ifjfLFkfr;ksa ,oa okrkoj.k esa vUrj gksuk lkFk gh lalk/kuksa esa vUrj] izf'kf{kr f'k{kdksa esa vUrj] vfHkHkkodksa dk fo|kfFkZ;ksa ds izfr n`f"Vdks.k ,oa mÙkjnkf;Ro rFkk lg;ksx esa deh bR;kfn dkj.k gks ldrk gSA

mn~ns';&3 **vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij rqyukRed v/;;u djukA**

H_{03} vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij dksbZ lkFkZd vUrj ugha gSA

rkfydk la0 3

vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds 'kgjh ,oa xzkeh.k Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds e/; vUrj dk Vh&vuqikr

{ks=	N	M	S.D.	$(M_1 \sim M_2)$	σ_D	t-value
'kgjh Nk=	300	129.11	31.02	11.98	3.57	3.36*
xzkeh.k Nk=	300	117.13	30.85			

***-05 Lrj ij lkFkZd**

O;k[;k&

rkfydk ls Li"V gksrk gS fd vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds 'kgjh Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=129.11, SD= 31.02½ tcfd xzkeh.k Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=117.13, SD=30.85½ gSA {ks= ds vk/kkj ij Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds e/; Vh&eku 4-12 gS tks 0-05 lkFkZdrk Lrj ij ¼df=298, 1.97½ ls vf/kd gS ftlls 'kwU; ifjdYiuk vLohd`r dh tkrh gSA ifj.kker% vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij lkFkZd vUrj gS vFkkZr~ nksuksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa vlekurk gSA 'kgjh ,oa xzkeh.k {ks=ksa ds fo|ky;ksa dh ifjfLFkfr;ksa ,oa okrkoj.k esa vUrj gksuk lkFk gh lalk/kuksa esa vUrj] izf'kf{kr f'k{kdksa esa vUrj] vfHkHkkodksa dk fo|kfFkZ;ksa ds izfr n`f"Vdks.k ,oa mÙkjnkf;Ro rFkk lg;ksx esa deh bR;kfn dkj.k gks ldrk gSA

mn~ns';&4

vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij rqyukRed v/;;u djukA

H_{04}

vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij dksbZ lkFkZd vUrj ugha gSA

rkfydk la0 3

vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds 'kgjh ,oa xzkeh.k Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds e/; vUrj dk Vh&vuqikr

{ks=	N	M	S.D.	$(M_1 \sim M_2)$	σ_D	t-value
'kgjh Nk=	300	130.81	32.73	10.93	3.67	2.97*
xzkeh.k Nk=	300	119.88	30.79			

***-05 Lrj ij lkFkZd**

O;k[;k&

rkfydk ls Li"V gksrk gS fd vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds 'kgjh Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=130.81, SD= 32.73½ tcfd xzkeh.k Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ¼M=119.88, SD=30.79½ gSA {ks= ds vk/kkj ij

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-7| July-2026

Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds e/; Vh&eku 2-97 gS tks 0-05 lkFkZdrk Lrj ij ¼df=298, 1.97½ ls vf/kd gS ftlls 'kwU; ifjdYiuk vLohd`r dh tkrh gSA ifj.kker% vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij lkFkZd vUrj gS vFkkZr~ nksuksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa vlekurk gSA 'kgjh ,oa xzkeh.k {ks=ksa ds fo|ky;ksa dh ifjfLFkfr;ksa ,oa okrkoj.k esa vUrj gksuk lkFk gh lalk/kuksa esa vUrj] izf'kf{kr f'k{kdksa esa vUrj] vfHkHkkodksa dk fo|kfFkZ;ksa ds izfr n`f"Vdks.k ,oa mÙkjnkf;Ro rFkk lg;ksx esa deh bR;kfn dkj.k gks ldrk gSA

fu"d"kZ&

/;;u esa iznÙkksa ds fo'ys"k.kksijkUr fuEufyf[kr fu"d"kZ izkIr gq;s&

1. vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk fyax ¼ckyd@ckfydk½ ds vk/kkj ij vUrj ugha gS vFkkZr~ nksuksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa lekurk gSA
2. vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij vUrj gSA
3. vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij vUrj gSA
4. vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij vUrj gSA

vFkkZr~ vEcsMdj uxj tuin ds ek/;fed fo|ky;ksa ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds Lrj dk fyax ¼ckyd@ckfydk½ ,oa {ks= ¼'kgjh@xzkeh.k½ ds vk/kkj ij rqyukRed v/;;u esa ik;k x;k fd fyax ds vk/kkj ij 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa lekurk gS tcfd {ks= ds vk/kkj ij 'kgjh {ks= ds fo|kfFkZ;ksa] Nk=ksa ,oa Nk=kvksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk xzkeh.k {ks=ksa ds fo|kfFkZ;ksa] Nk=ksa ,oa Nk=kvksa dh vis{kk mPp gSA

lq>ko&

{ks= ds vk/kkj ij 'kSf{kd vfHkizsj.kk ds vUrj dks de djus ds fy, lcls igys vfHkHkkod ,oa ifjokj ds lnL;ksa dks fo|kfFkZ;ksa ds izfr ltx ,oa lg;ksx dh Hkkouk tkx`r djuh gksxh lkFk gh muds 'kSf{kd dk;ksZa esa lg;ksx ,oa mÙkjnkf;Ro vfHkHkkodksa dks ysuk gksxk vkSj mudh 'kSf{kd lalk/kuksa ij fo'ks"k /;ku fn;k tk;sA xzkeh.k {ks=ksa esa vkfFkZd dfBukb;k¡] ikfjokfjd mÙkjnkf;Ro] —f"k dk;ksaZ esa lgHkkfxrk] ifjogu laca/kh leL;k,¡ rFkk lkekftd tkx:drk dks fo|kfFkZ;ksa ds fuEu Lrj ds vfHkizsj.kk gsrq mÙkjnk;h ekuk tk ldrk gSA xzkeh.k {ks=ksa ds fo|ky;ksa esa csgrj 'kSf{kd lalk/ku] vk/kqfud ç;ksx'kkyk,¡] iqLrdky;] fMftVy f'k{k.k lkexzh] baVjusV] dksfpax laLFkkuksa rFkk lg&ikBîØe xfrfof/k;ksa esa o`f) dj fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd vfHkizsj.kk esa o`f) dh tk ldrh gSA

lUnHkZ xzUFk lwph

1. dkyk] ih- pUnzk ,oa f'kjfyu] ih- ¼2017½- , LVMh vkWu ,fpoes.V eksfVos'ku ,.M lksf'k;ks& bdksukWfed LVs~Vl vkWQ dkWyst LVwMsUV~l bu fr:usoYyh fMfLVªd] *b.Vjus'kuy tuZy vkWQ fjlpZ xzUFkky;*] okWY;we&5] b''kw&3] i`0 57&64
2. dSyk] ,l-,l- ¼2018½- fgUnh rFkk vaxzsth ek/;e ls v/;;ujr~ fo|kfFkZ;ksa ds ewY;ksa ds Lrj ij ek/;e rFkk 'kSf{kd miyfC/k vfHkizsj.kk ds izHkko dk v/;;u] *yksdfo'dkj b.Vjus'kuy bZ&tuZy*] okWY;we&07] b''kw&01] i`0 14&24
3. xqIrk] ,y- ¼2016½- rduhdh f'k{kk laLFkkuksa esa v/;;ujr~ fo|kfFkZ;ksa dh vfHkizsj.kk dk mudh 'kSf{kd miyfC/k ij izHkko dk ,d v/;;u] *b.Vjus'kuy fjlpZ tuZy vkWQ eSustes.V lkbal ,.M VsDuksykWth*] okWY;we&7] b''kw&6] i`0 84&87
4. nnokn] vkj- ¼2012½- n fjys'kuf'ki fcVfou beks'kuy bUVsfytsU'k ,.M fØ;sfVfoVh vkWQ fQesy gkbZLdwy LVwMsUV~l bu c¶V flVh] *tuZy vkWQ csfld ,.M ,IykbM lkabfVfQd fjlpZ*] 2¼4½] 4174&4183A
5. HkkfV;k] ,- ,oa pkS/kjh] vkbZ- ¼2013½- mPp ,oa fuEu miyfC/k okys mPp ek/;fed fo|ky; ds fo|kfFkZ;ksa dh 'kSf{kd miyfC/k vfHkizsj.kk rFkk vkdka{kk Lrj dk rqyukRed v/;;u] *b.Vjus'kuy ,tqds'kuy bZ&tuZy*] okWY;we&II] b''kw&I] i`0 55&62
6. egkoj] ts- ,oa ikjhd] ,- ¼2018½- f'k{kdksa dh usr`Ro'khyrk dk fo|kfFkZ;ksa ds vfHkizsfjr O;ogkj ij iM+us okys izHkko dk v/;;u] *bUlihjk&tuZy vkWQ ekMZu eSustes.V ,.M b.VjizhU;wjf'ki*] okWY;we&08] ua. 04] i`0 552&554
7. ekSyk] ts-,e- ¼2010½- , LVMh vkWQ n fjys'kuf'ki fcVfou ,dsMfed ,fpoes.V eksfVos'ku ,.M gkse bUok;jes.V ,eax LVS.MZM ,sV ihiqYl] *,tqds'kuy fjlpZ ,.M fjO;wl*] okWY;we&5¼5½] i`0 213&217
8. 'kekZ] ,-ds- ¼2008½- ifCyd Ldwy ,oa ljLorh fo|k efUnj ds Nk=&Nk=kvksa dh 'kSf{kd miyfC/k vfHkizsj.kk ,oa mPp ekufld ;ksX;rk dk rqyukRed v/;;u] 'kks/k izcU/k] N=ifr 'kkgwth egkjkt fo'ofo|ky;] dkuiqjA